इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय
Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya
शहीद गुंडाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र
Shaheed Gundadhoor College of Agriculture & Research Station
कुम्हरावण्ड, जगदलपुर – 494001 Kumhrawand, Jagdalpur – 494001 (C.G.)
Ph. (O) - 07782 - 229150 (Fax) 229360 (R) 229343 Email - zars_igau@rediffmail.com

क्र./श.गु.कृ.महा.एवं अनु.केन्द्र/2017–18/ GKMS *जगदलपुर, दिनांक 17/11/2017*

बस्तर पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए कृषि सलाह सेवा बुलेटिन (15 से 17 नवम्बर 2017)

पिछले सप्ताह की विशिष्ठ मौसम स्थितियाँ

वर्षा मि.मी.	0.0
अधिकतम तापमान डिग्री. से.	24.7 - 29.5
न्युनतम तापमान डिग्री. से.	19.2 - 20.2
सापेक्ष आर्द्रता प्रतिशत	72 - 93
वायु गति कि.मी./घंटा	5.6 - 9.5

पिछले सप्ताह कृषि मौसम वेधशाला, कुम्हरावण्ड में मि.मी. **0.0** वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान **24.7** से **29.5** डिग्री सेंग्रे. के बीच रहा। न्यूनतम तापमान **19.2** से **20.2** डिग्री सेग्रे. के मध्य रहा। सापेक्ष आर्द्रता **72** से **93** प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई। वायु गति **5.6** से **93** किमी./घंटा के मध्य रही।

18 से 22 नवम्बर 2017 तक मौसम पुर्वानुमान बस्तर

मौसम कारक	पुर्वानुमान				
	दिवस –1 18 नवम्बर	दिवस –2 19 नवम्बर	दिवस –3 20 नवम्बर	दिवस –4 21 नवम्बर	दिवस –5 22 नवम्बर
वर्षा मि.मि.	**5**	**10**	**10**	**7**	**0**
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	26	27	28	28	29
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	20	19	18	18	16
कुल बादल की मात्रा (प्रतिशत)	75	75	75	50	25
सापेक्ष आर्द्रता (सुबह/शाम)	90/70	90/70	94/70	91/70	90/65
वायु गति कि. मी./घण्टा एवं दिशा	3/NE	2/S	3/NE	7/N	6/N

भारत मौसम विज्ञान विभाग रायपुर द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले **5** दिनो में छत्तीसगढ़ के बस्तर पठारी भाग में कहीं–कहीं पर हल्का बारीश एवं बादल छायें रहने की तथा हवा में **65** से **94** प्रतिशत नमी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान लगभग 26 से 29°C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम **16 से 20**°C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा **उत्तर –पूर्व** एवं **दक्षिण** दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **2** से **7** किलोमीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

मौसम आधारित कृषि सलाह

बीजोपचार	**खरीफ मौसम के फसलो के बीजों का बीजोपचार जरूर करें।** ➢ **(क) अदैहिक दवायें:–** इन दवाओं से उपचारित करने पर सभी फसलों के बीज सतह पर मौजूद फफूंद नष्ट जाती है। इनमें प्रमुख थीरम, केप्टान, डायथेन एम–45। इन दवाओं की 3.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की दर से उपयोग करें। ➢ **(ख) दैहिक दवायें:–** इन दवाओं से उपचारित करने से बीज के भीतर मौजूद फफूंद नष्ट हो जाती है साथ ही यह बीजांकुर को भी 15–20 दिनों तक रोगों से सुरक्षा प्रदान करती है। इनमें मुख्यतः वीटावैक्स एवं बाविस्टिन का उपयोग 2 से 2.5 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीजदर से उपयोग में लाना चाहिए। ➢ **(ग) जैव उत्पाद (बायोएजेन्ट)** – ट्राइकोड्रमा हारजियनम या ट्राइकोड्रमा स्पीजीज 6–8 ग्राम प्रति किलोग्राम बीजदर से उपचारित करे तथा आवश्यकता होने पर जीवाणु स्यूडोमोनास फ्यूरोसेन्स से भी बीजोपचार करे।
खरीफ / रबी फसल	❖ **धान की कटाई के तुरंत बाद खेंत की तैयारी न्यूनतम/शुन्य भूपरिस्करण के द्वारा करें ताकि संरक्षित मृदा नमी का उपयोग रबी फसलों के अच्छे उत्पादन हेतु हो सके।** ❖ **धान की कटाई तथा उसका भण्डारण 12 प्रतिशत नमी की अवस्था में करें। धान के बीज को दांतों के बीच रखकर काटने से अगर कट की आवाज आती हो तब यह माना जाता है कि इस अवस्था में धान को संरक्षित करना सुरक्षित है।** ❖ **भण्डारण से पहले बोरी को कीटनाशक से डुबाकर सूखा लेवें एवं उनमें भण्डारण करें।** ❖ **रबी फसलों की बुवाई इंदिरा सीड कम फर्टीलाइजर ड्रील (बैल चलित) का उपयोग करें।** ❖ **दलहन एवं तिलहन फसलों के बीज को रायजोबियम कल्चर (टीकाकरण) से उपचारित करें।** ❖ **रबी में बोई जाने वाली फसलो के बीजों का फफूंद नाशक दवा बेवेस्टिन 2 से 3 ग्राम प्रति किग्रा. बीज की दर से बुवाई के पुर्व उपचारित कर बुवाई करना चाहिए।** ❖ वर्ष भर पशुओं हेतु हरे चारें के लिए वरसीम + सरसों – हाइब्रिड नेपियर – लोबिया की बुवाई करें। ❖ पूर्ण सिंचित समय (मध्य नवंबर) से बुवाई हेतु गैहूँ की उन्नत किस्में – लोक–1, डब्ल्यू.एच. 1047, कंचन, राज, एच.आई. 8381 एवं जी.डब्ल्यू. 273। ❖ अर्द्धसिचिंत अवस्था हेतु गैहू की किस्में– सी. 306, सुजाता. एच.डब्ल्यू.2004, रतन, एच.आई. 8627 एवं एच.आई. 1531। **रबी दलहनी फसलें एवं उन्नत किस्में** ➢ **तिवड़ा की किस्में –** रतन, प्रतीक एवं महातिवड़ा। ➢ **चना की किस्में –** जे.जी.–74, विजय, वैभव, जे.जी.–14, इंदिरा चना–1, जे.एस.सी.–56। ➢ **मटर की किस्में –** अंबिका, आदर्श (आई.पी.एफ. 99–25), शुभ्रा, जे.पी. –885, पारस, विकास (आई.पी.एफ.डी. 99–13), प्रकाश(आई.पी.एफ.डी. 1–10), आई.पी.एफ.डी. –10–12 । ➢ **मसूर की किस्में –** लेन्स–4076, आई.पी.एल.–81 (नूरी), जे.एल.–3, आई.पी.एल.–316 । **तिलहन फसलें एवं उन्नत किस्में**

	➢ **अलसी की किस्में–** आर.–552, किरन, टी.–397, इंदिरा अलसी–32(आर.एल.सी.– 81), कार्तिका, दीपिका (आर.एल.सी.– 78), आर.एल.सी.– 92. ➢ **सरसों की किस्में–** पूसा जय किसान (बी.डब्ल्यू. – 902), पूसा बोल्ड, क्रान्ति (पी.आर. 15), वरदान (आर.के. 1467), वरूणा (टी. – 59), छत्तीसगढ़ सरसों –1, बस्तर तोरिया. ➢ **कुसुम की किस्में–** जे.एस.एफ.– 1, जे.एस.आई.– 7, भीमा, ए–1, नारी एन.एच.–1, नारी एच. – 15, पी.बी.बी.एन.एस. – 12, नारी – 6, पी.बी.एन.एस. – 40. ❖ चने की बुवाई के पहले बीज को बाविस्टीन (कार्बेन्डाजिन) 3ग्राम या वीटामेक्स नामक फफूँदनाशक 2 ग्राम प्रति किलों बीज की दर से उपचारित करें। ❖ दलहनी फसल की कटाई पत्तियों के सूखने पर प्रारम्भ करे। ❖ उतेरा फसलों की व्यवस्था कर कटाई पूर्व छिडकाव कर कटाई करें ताकि भूमि की नमी का उचित उपयोग हो सकें। ❖ मटर की बुआई हेतु मटर के बीजो को 4 घंटे पानी में भिगाये और फिर बुआई करें। ❖ जल्दी पकने वाली कस्मों की कटाई पश्चात् तोरिया की उन्नत किस्में इंदिरा तोरिया–1, पन्त तोरिया–30, टी.–9, पी.टी–303 एवं अनुराधा में से किसी एक का चयन कर बुवाई करें। ❖ उतेरा फसलों की व्यवस्था कर कटाई पूर्व छिडकाव कर कटाई करें ताकि भूमि की नमी का उचित उपयोग हो सकें। ❖ रबी ऋतु हेतु साग सब्जियों की नर्सरी तैयार कर एवं तैयार पौध लगा देवें। ❖ सभी खेतों में नमी संरक्षित करें। जहॉ सम्भव हो सके सब्जियों में पलवार का उपयोग करे।
सब्जी	❖ खरीफ में रोपित कोचई/अरबी फसल की हारवेस्टिंग कर उसमें रबी फसल (जैसे– मटर, फ्रैन्च बीन्स इत्यादि) की बंवाई करें। ❖ रबी – ग्रीष्मकालीन की अरबी/कोंचई एवं बण्डा की रोपाई हेतु खेत की तैयारी प्रारम्भ करें।
पशुपालन	❖ कृमिनाशक का उपयोग प्रत्येक तीन माह के अन्तराल पर मुर्गीयों को कृमि रोग से मुक्त करने के लिये करें। ❖ यथा सम्भव पशुवाड़े को सुखा रखे। जिससे कि कीट एवं बीमारियों से बचाव के साथ–साथ पशुओं एवं पशुपालक के फिसलने से भी बचाव हो सके।

प्रयोजक – भारतीय मौसम विभाग (भूमि विज्ञान मंत्रालय), नई दिल्ली, सहयोग–अखिल भारतीय समन्वित बारानी खेती परियोजना, हैदराबाद

अधिष्ठाता